जिवड़ो मारो सतगुरु भेंट दियो सिद्धनाथ जी भजन

जिवड़ो मारो सतगुरु भेंट दियो,
जनम जनम को भुजयौडो दीपक,
अड़ते ही जोत दियो।bd।

ड़ांकण ड़ांक दियो भरम,
माया जासू जीव भयो,
भेद भरम सु जीव बण,
दाता दास कयो,
जीवडो मारो सतगुरु भेट दियो।bd।

मल विषेभ आवरण माई,
सुख-दुख जन्म लियो,
सतगुरु सेन कृपा कर दिनी,
सुतो ही जाग गयो,
जीवडो मारो सतगुरु भेट दियो।bd।

देह नहीं है कोहम कोहम,
तव पद शोध कियों,
दया धयाम छोड़ अमी पद,
सोहम घुटक पीओ,
जीवडो मारो सतगुरु भेट दियो।bd।

शांत शिव अवधेत अखंडी,
अनुभव आप आयो,
सिद्धनाथ भूमा अपरोक्षा,
जीवत मुक्त भयो,
जीवडो मारो सतगुरु भेट दियो।bd।

जिवड़ो मारो सतगुरु भेंट दियो,
जनम जनम को भुजयौडो दीपक,
अड़ते ही जोत दियो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लेखक – सिद्धनाथ जी महाराज।
ग्राम बीर अजमेर।
प्रेषक – शिष्य सेवा नाथ मुहामी।
श्रीनाथ स्टूडियो मुहामी।
9950387340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com